UP Board Class 12 Hindi - 301 (HA) - 2025

Time Allowed :3 Hours	Maximum Marks :80	Total Questions :18

सामान्य निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल **18 प्रश्न** हैं । **सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।**
2. इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं – **खंड अ** और **खंड ब ।**
3. **खंड अ** में उपप्रश्न सहित **45 लघुउत्तर प्रश्न** पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल **40 प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।**
4. **खंड ब** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, **अंतर्निर्देश विकल्प भी दिए गए हैं ।**
5. प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।
6. **यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।**

Q1. Choose the correct option to answer the following questions :

(a) 'ध्रुवस्वामिनी' की गाथा-विशेषता है :

(A) उपन्यास
(B) कहानी
(C) नाटक
(D) जीवनी

Correct Answer : (A) उपन्यास

Solution : Step 1 : Understanding 'ध्रुवस्वामिनी'.
'ध्रुवस्वामिनी' एक उपन्यास है, जिसमें एक महिला के जीवन की गाथा, संघर्ष और सामाजिक परिप्रेक्षय को प्रस्तुत किया गया है ।
Step 2 : Conclusion.
'ध्रुवस्वामिनी' का साहित्यिक रूप उपन्यास है, क्योंकि यह एक विस्तृत कथा है जो किसी महिला के जीवन और संघर्षों को दर्शाती है ।

Final Answer :

The correct answer is (A) उपन्यास.

Quick Tip

When identifying literary works, distinguish between their forms (novel, story, play, biography) based on their structure and narrative style.

(b) 'आवारा मसीहा' जीवनी- कृति के लेखक हैं :

(A) अमृत राय
(B) राहुल सांकृत्यायन
(C) वासुदेव शरण अग्रवाल
(D) विष्णु प्रभाकर

Correct Answer : (D) विष्णु प्रभाकर

Solution : Step 1 : Identifying the author.
'आवारा मसीहा' विष्णु प्रभाकर द्वारा लिखी गई जीवनी है । यह पुस्तक एक महान लेखक और समाज सुधारक की संघर्षमयी यात्रा को प्रस्तुत करती है ।
Step 2 : Conclusion.
'आवारा मसीहा' के लेखक विष्णु प्रभाकर हैं, जिन्होंने इस कृति के माध्यम से समाज के अन्याय और असमानताओं को उजागर किया ।

Final Answer :

The correct answer is (D) विष्णु प्रभाकर.

Quick Tip

When identifying authors, consider their contribution to the literary and social reform movements, as these are often key to understanding their works.

(c) आचार्य हज़ारीप्रसाद द्विवेदी द्वारा लिखित कृति नहीं है :

(A) 'कलात्मक'
(B) 'कबीर'
(C) 'हिन्दी साहित्य की भूमिका'
(D) 'कल्पवृक्ष'

Correct Answer : (A) 'कलात्मक'

Solution : आचार्य हज़ारीप्रसाद द्विवेदी हिन्दी साहित्य के महान विद्वान थे, जिन्होंने कई महत्वपूर्ण कृतियाँ लिखीं । 'कलात्मक' आचार्य द्विवेदी की रचनाओं में से एक नहीं है, जबकि अन्य विकल्प उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं ।
Step 2 : Conclusion.
इसलिए 'कलात्मक' को सही उत्तर के रूप में चुना गया है ।

Final Answer :

The correct answer is (A) 'कलात्मक'.

Quick Tip

When identifying works of famous authors, focus on their most significant contributions and check if the given title aligns with their recognized works.

--- (d) दीनदयाल उपाध्याय द्वारा सम्पादित पत्र है :

(A) 'पाञ्चजन्य'
(B) 'हिन्दी प्रवृत्ति'
(C) 'कवि-चमनसुधा'
(D) 'उदित मर्तण्ड'

Correct Answer : (A) 'पाञ्चजन्य'

Solution : दीनदयाल उपाध्याय भारतीय राजनीति और समाज सेवा के महान नेता थे । उन्होंने 'पाञ्चजन्य' नामक पत्र का संपादन किया था, जो भारतीय राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने का एक प्रभावी माध्यम था ।
Step 2 : Conclusion.
इसलिए 'पाञ्चजन्य' को सही उत्तर के रूप में चुना गया है ।

Final Answer :

The correct answer is (A) 'पाञ्चजन्य'.

Quick Tip

When studying historical figures, focus on their major contributions, such as publications or movements they were associated with, for better understanding.

(e) जैनेन्द्र कुमार की रचना है :

(A) 'वातायन'
(B) 'बाजो पायलिया के घुँघरू'
(C) 'मातृभूमि'
(D) 'साहित्य सहचर'

Correct Answer : (A) 'वातायन'

Solution : जैनेन्द्र कुमार हिंदी के प्रमुख साहित्यकार थे और उनकी रचनाओं में मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक मुद्दों का गहरा प्रभाव देखने को मिलता है । उनकी प्रमुख रचनाओं में 'वातायन' शामिल है, जो उनकी एक महत्वपूर्ण काव्यकृति है ।
Step 2 : Conclusion.
'वातायन' जैनेन्द्र कुमार की एक प्रसिद्ध रचना है, जबकि अन्य विकल्पों में से कोई भी इस लेखक से संबंधित नहीं है ।

Final Answer :

The correct answer is (A) 'वातायन'.

Quick Tip

When identifying literary works, focus on the author's most celebrated and iconic creations.

Q2. (a) निम्नलिखित में से प्रतिभावादी कवि नहीं हैं :

(A) त्रिलोचन शास्त्री
(B) नागार्जुन
(C) केदारनाथ अग्रवाल
(D) गिरिराज कुमार माथुर

Correct Answer : (D) गिरिराज कुमार माथुर

Solution : त्रिलोचन शास्त्री, नागार्जुन और केदारनाथ अग्रवाल तीनों प्रमुख हिंदी कवि हैं, जो भारतीय साहित्य में अपनी विशेष पहचान रखते हैं और उनकी रचनाओं में प्रतिभावादी दृष्टिकोण दिखाई देता है । जबकि गिरिराज कुमार माथुर के साहित्य में यह विशिष्टता नहीं पाई जाती है ।
Step 2 : Conclusion.
गिरिराज कुमार माथुर प्रतिभावादी कवि नहीं हैं, इसलिए विकल्प (D) सही उत्तर है ।

Final Answer :

The correct answer is (D) गिरिराज कुमार माथुर.

Quick Tip

When studying literary figures, focus on the distinct literary movements they represent to accurately identify their contributions.

(b) 'तारसप्तक' के कवियों को 'गाहो के अवशेष' किसने कहा है ?

(A) गजानन माधव 'मुक्तिबोध' ने
(B) रामविलास शर्मा ने
(C) डॉ. रामकुमार सिंह ने
(D) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' ने

Correct Answer : (B) रामविलास शर्मा ने

Solution : रामविलास शर्मा भारतीय साहित्य में प्रसिद्ध आलोचक और कवि थे । उन्होंने 'तारसप्तक' के कवियों को 'गाहो के अवशेष' कहा था । इस शब्द का अर्थ था कि ये कवि समाज में विद्यमान पुरानी सामाजिक और सांस्कृतिक मान्यताओं के खिलाफ खड़े थे ।
Step 2 : Conclusion.
इसलिए सही उत्तर (B) 'रामविलास शर्मा' है, जिन्होंने 'तारसप्तक' के कवियों को 'गाहो के अवशेष' कहा ।

Final Answer :

The correct answer is (B) रामविलास शर्मा ने.

Quick Tip

When analyzing literary works, consider the perspectives and critiques of renowned critics, as they often provide significant insights into the social and cultural relevance of the works.

(c) लेखक और 'सांस्कृतिक पुरस्कार' से सम्मानित उसकी कृति का एक गलत युग्म है :

(A) महादेवी वर्मा - 'धामा'
(B) सुमित्रानंदन पंत - 'विपल्व'
(C) रवींद्रनाथ ठाकुर - 'प्रसुराम की प्रतीक्षा'
(D) 'अज्ञेय' - 'कितनी नावों में कितनी बार'

Correct Answer : (C) रवींद्रनाथ ठाकुर - 'प्रसुराम की प्रतीक्षा'

Solution : 'प्रसुराम की प्रतीक्षा' रवींद्रनाथ ठाकुर की रचना नहीं है । यह काव्य-संग्रह 'विस्रव' के संदर्भ में आता है, जो सुमित्रानंदन पंत की रचना है ।
Step 2 : Conclusion.
इसलिए (C) रवींद्रनाथ ठाकुर - 'प्रसुराम की प्रतीक्षा' को गलत युग्म के रूप में चुना गया है ।

Final Answer :

The correct answer is (C) रवींद्रनाथ ठाकुर - 'प्रसुराम की प्रतीक्षा'.

Quick Tip

When studying literary works, always check the attribution of works and the respective contributions of authors, as sometimes similar works can be mistakenly attributed to different authors.

(d) इनमें से मैशलीकरण गुणक की काव्यकृति है :

(A) 'लोकयात्रा'
(B) 'साकेत'
(C) 'तुलसीदास'
(D) 'बुनी हुई रस्ते'

Correct Answer : (A) 'लोकयात्रा'

Solution : 'लोकयात्रा' की काव्यकृति, जो कि मैशलीकरण गुणक का आदान-प्रदान करती है, वास्तविक जन जीवन को दर्शाती है । यह काव्य कृतियाँ सामान्य जन की समस्याओं और संघर्षों को प्रस्तुत करती हैं, जो 'लोकयात्रा' की रचनाओं में साफ नजर आता है ।
Step 2 : Conclusion.
इसलिए सही उत्तर (A) 'लोकयात्रा' है, जो इस विशेष काव्यकृति को परिभाषित करता है ।

Final Answer :

The correct answer is (A) 'लोकयात्रा'.

Quick Tip

When analyzing literary works, consider the social and cultural implications and how they reflect real-world issues through artistic forms.

--- **(e) धर्मवीर भारती की रचना नहीं है :**

(A) 'कृष्णाय'
(B) 'बंद गली का आखिरी मकान'
(C) 'धूप के धान'
(D) 'सूत्र का सातवां छोडा'

Correct Answer : (D) 'सूत्र का सातवां छोडा'

Solution : धर्मवीर भारती भारतीय साहित्य के महत्वपूर्ण रचनाकार हैं । 'सूत्र का सातवां छोडा' उनके द्वारा नहीं लिखा गया है, यह एक भ्रम है । अन्य काव्यरचनाएँ जैसे 'कृष्णाय' और 'धूप के धान' उनकी प्रमुख कृतियाँ हैं ।
Step 2 : Conclusion.
इसलिए सही उत्तर (D) 'सूत्र का सातवां छोडा' है, जो धर्मवीर भारती की रचनाओं में शामिल नहीं है ।

Final Answer :

The correct answer is (D) 'सूत्र का सातवां छोडा'.

Quick Tip

Always cross-check the authorship of literary works, especially when dealing with famous writers, to avoid confusion with similar works.

Q3. Answer the following questions based on the given passage :

Passage :
भूमि का निरीक्षण देने से किसी ने कहा है, वह अनंत काल से है । उसके भौतिक रूप, सौंदर्य और सम्पत्ति के प्रति हमेशा हमारा आवश्यक ध्यान है । भूमि के प्रभावी स्वास्थ्य के प्रति हम जितने अधिक जागरूक होते हैं, उतनी ही हमारी राष्ट्रव्यापी बदलाव की संभावना होती है । यह पृथ्वी सच्चे उद्देश्य में सम्पूर्ण राष्ट्रव्यापी विचारधाराओं की जन्मी है । जो राष्ट्रवादी पृथ्वी के साथ नहीं जुड़ी वह मिलती रहती है । पृथिवीता की जड़े पृथ्वी में जितनी गहरी होंगी उतना ही राष्ट्र भावों का अंगूर उत्पन्न होगा । इसलिए पृथ्वी के भौतिक स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त करना, उसकी सुंदरता, उपयोगिता और महिमा को पहचानना आवश्यक धर्म है ।

(a) उपयुक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए :

Solution :
गद्यांश में पृथ्वी के महत्व, इसके भौतिक स्वास्थ्य, और राष्ट्र के उत्थान में इसके योगदान पर विचार किया गया है । लेखक ने पृथ्वी के महत्व को समझाते हुए इसके भौतिक रूप और हमारी जिम्मेदारी के बारे में बताया है । लेखक का नाम : 'राहुल सांकृत्यायन'

Final Answer :

लेखक का नाम 'राहुल सांकृत्यायन' है ।

Quick Tip

When asked to identify an author, focus on understanding the theme and style of writing in the passage to determine who the author might be.

(b) भूमि का निरीक्षण किसने किया है और वह कब से है ?

Solution :
भूमि का निरीक्षण राहुल सांकृत्यायन ने किया है । उन्होंने भूमि की उपादेयता और इसके भौतिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पर ध्यान आकर्षित किया है । यह निरीक्षण अनंत काल से चला आ रहा है । **Final Answer :**

भूमि का निरीक्षण राहुल सांकृत्यायन ने किया है और वह अनंत काल से है ।

Quick Tip

To answer such questions, focus on key words in the passage that give insight into the context, such as "जागरूकता," "भौतिक स्वास्थ्य," and the author's name.

(c) पृथ्वी के संबंध में हमारा आवश्यक ध्यान क्या है ?

Solution :
पृथ्वी के संबंध में हमारा आवश्यक ध्यान इस पर हो रहे बदलावों, इसके भौतिक स्वास्थ्य, और इसके प्रभावों को समझने और पहचानने पर होना चाहिए । पृथ्वी की भौतिक संरचना और प्राकृतिक गुणों की जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ इसके महत्व को समझना हमारी जिम्मेदारी है । **Final Answer :**

पृथ्वी के संबंध में हमारा आवश्यक ध्यान इसके भौतिक स्वास्थ्य और प्राकृतिक गुणों को समझने और पहचानने प

Quick Tip

When analyzing questions on the environment, always focus on its relationship with human responsibility, sustainability, and the role of nature in our daily lives.

(d) 'पार्थिव' और 'आध्यात्मिक' शब्दों के अर्थ लिखिए

Solution :
- **पार्थिव** : यह शब्द भौतिक चीज़ों से संबंधित है, जैसे कि पृथ्वी, शरीर आदि । - **आध्यात्मिक** : यह शब्द आत्मा, धर्म, या अध्यात्मिकता से संबंधित है, जो कि आध्यात्मिक जागरूकता और मानसिक विकास से संबंधित होता है । **Final Answer :**

पार्थिव : भौतिक, आध्यात्मिक : आत्मा या धर्म से संबंधित ।

Quick Tip

When answering questions about word meanings, always identify the contextual use of the word in the passage or sentence.

OR

Q3. Answer the following questions based on the given passage :
Passage :
रूप्यता और दिव्य स्वतंत्रता अनमोल हैं, रूप्यता के अभाव में कोई भी चीज़ मान्य नहीं होती । नित्य सृष्टि किसी भी सर्वजन की मौलिक उन्नति की प्रामाणिकता सूचित करती है और उसकी स्थिति में कोई भी चीज़ वस्तुत : जनता और समाज के द्वारा स्वीकृत नहीं होती ! गली-मोहल्लों से झूके हुए समाज जैसे आगे बढ़ नहीं पाता, वैसे ही पुरानी तितलियाँ एवं शूलों की परंपरागत लेकिन पर चलने वाली भाषा भी जन-सेवकों के गीत देने में व्यर्थ होती है । अस्मर्थ ही रह जाती है । भाषा समृद्धि के आंदोलन का एक सशक्त माध्यम है और ऐसी सक्षमता वह तभी प्राप्त कर सकती है जब अपने युगपुरुष सही मुहावरों को ग्रहण कर सके ।

(a) उपयुक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए :

Solution :
गद्यांश में संसार के समाजिक, भौतिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में बताया गया है । यह पाठ यह स्पष्ट करता है कि भाषा सामाजिक बदलाव के लिए एक सशक्त माध्यम है । लेखक का नाम : 'राहुल सांकृत्यायन'

Final Answer :

लेखक का नाम 'राहुल सांकृत्यायन' है ।

Quick Tip

When answering questions about the passage, always focus on understanding the main theme and underlying message to identify the author correctly.

(b) भूमि का निरीक्षण किसने किया है और वह कब से है ?

Solution :
भूमि का निरीक्षण राहुल सांकृत्यायन ने किया है । उन्होंने भूमि के भौतिक और सांस्कृतिक प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया है । यह निरीक्षण अनंतकाल से भूमि और उसके प्रति हमारी जिम्मेदारियों को जागरूक करने के लिए चलता आ रहा है । **Final Answer :**

भूमि का निरीक्षण राहुल सांकृत्यायन ने किया है और वह अनंतकाल से है ।

Quick Tip

Identify key aspects of the text, especially when focusing on the context of an author's reflection or investigation about an important subject.

(c) पृथ्वी के संबंध में हमारा आवश्यक ध्यान क्या है ?

Solution :
पृथ्वी के संबंध में हमारा ध्यान उसके भौतिक स्वास्थ्य, उसकी उपयोगिता, और समृद्धि की जड़ों पर होना चाहिए । हमें पृथ्वी के प्रभावी स्वास्थ्य और इसके कार्य करने के तरीके को समझने के साथ ही उसके महत्व को पहचानना चाहिए । **Final Answer :**

हमारा ध्यान पृथ्वी के भौतिक स्वास्थ्य और इसके महत्व को समझने और पहचानने पर होना चाहिए ।

Quick Tip

Always remember that understanding an ecosystem's health is essential for maintaining sustainability and environmental responsibility.

(d) 'पार्थिव' और 'आध्यात्मिक' शब्दों के अर्थ लिखिए

Solution :
- **पार्थिव** : यह शब्द भौतिक चीज़ों से संबंधित है, जैसे कि पृथ्वी, शरीर आदि । - **आध्यात्मिक** : यह शब्द आत्मा, धर्म, या अध्यात्मिकता से संबंधित है, जो कि आध्यात्मिक जागरूकता और मानसिक विकास से संबंधित होता है । **Final Answer :**

पार्थिव : भौतिक, आध्यात्मिक : आत्मा या धर्म से संबंधित ।

Quick Tip

When answering questions about word meanings, always identify the contextual use of the word in the passage or sentence.

Q4. Answer the following questions based on the given passage :
Passage :
प्रेम–मद–छोटे पा मर्त कबो के कहि
थके अंग निनि सिखिलता मुहाई है ।
कहे 'तालकर' ये आवात चकते उशी
माने छिद्यत कुंड भावना छुलाई है ।
धर्त धरै पे ना उदार अति आदु सि
सार बहलिन जो ओंध–अधिकारि है ।
एक कर रणे नवंति जुड़ा को दिये
एक कर संथ बर राधिक पढ़ाई है ।

(a) प्रस्तुत पंक्ताओं के पाठ और रचनाकार का नाम लिखिए :

Solution :
यह गद्यांश शिक्षा के महत्व को दर्शाता है, इसमें बच्चों के प्रयास और संघर्ष को व्यक्त किया गया है । लेखक ने प्रेम और शैक्षिक उद्देश्य को प्रमुखता से प्रस्तुत किया है । लेखक का नाम : 'रामचंद्र शुक्ल'

Final Answer :

लेखक का नाम 'रामचंद्र शुक्ल' है ।

Quick Tip

When answering such questions, focus on recognizing the style and theme of the passage to identify the author and the subject of the text.

(b) बड़ से मृत्यु लोटते समय उद्धार की क्या स्थिति थी ?

Solution :
बच्चों के दृष्टिकोण से उनका संघर्ष और परिस्थिति बयां की गई है, जो कठिनाई से लड़कर जीवन में सफलता की ओर बढ़ते हैं । उधार की स्थिति यह है कि आत्मबल की आवश्यकता थी, जो उन्होंने अंतिम समय में पाया । **Final Answer :**

मृत्यु के निकट आने पर संघर्ष और आत्मबल की आवश्यकता थी ।

Quick Tip

Focus on the symbolism used in the passage to understand the deeper meaning behind the described struggle.

(c) 'वचन' और 'धारा' शब्दों के अर्थ लिखिए

Solution :
- **वचन** : यह शब्द प्रतिज्ञा या वादा करने के संदर्भ में उपयोग होता है, जैसे किसी कार्य को करने का संकल्प । - **धारा** : यह शब्द किसी चीज़ के प्रवाह या निरंतरता को दर्शाता है, जैसे जल की धारा । **Final Answer :**

वचन : प्रतिज्ञा या वादा, धारा : निरंतर प्रवाह ।

Quick Tip

To answer word-meaning questions, analyze how the words are used in context to derive their proper meaning.

(d) उधार के उपकार-स्वास्थ्य क्या-क्या वस्तुएँ मिलती हैं ?

Solution :
उधार में जीवन में साकारात्मक बदलाव के रूप में स्वास्थ, ताकत, और स्थिरता प्राप्त होती है, जो किसी न किसी रूप में जीवन की अच्छाई और हिम्मत को बनाये रखती है । **Final Answer :**

उधार से स्वास्थ्य, मानसिक शांति और जीवन की स्थिरता प्राप्त होती है ।

Quick Tip

In analyzing the meaning of concepts like "उधार", always focus on the positive outcomes derived from a situation, rather than just the material exchange.

OR

Q4. Answer the following questions based on the given passage :
Passage :
'मधुर गम्भीर देश के, नीले रोम बालों में के वर्ण,
ढक रहे थे उसका वपु कांत बन रहा था वह कोमल गवँ ।
नील परिधान बीच सुखमार खुल रहा मुळ अभुला अंग,

खिला हो जैसे विद्युल्लि का फूल मेख-वन् बीज गुलाबी रंग ।

(a) प्रस्तुत पंक्ताओं के पाठ और रचनाकार का नाम लिखिए :

Solution :
यह गद्यांश प्रकृति के वर्णन से संबंधित है, जहां लेखक ने प्रकृति के सुंदर दृश्य को व्यक्त किया है । लेखक ने नीले आकाश, बालों में लहराने वाले रंग और खिलते फूलों का खूबसूरत चित्रण किया है । रचनाकार का नाम : 'निराला'

Final Answer :

रचनाकार का नाम 'निराला' है ।

Quick Tip

To identify the author in a question, focus on the style and themes discussed in the passage. In this case, nature and imagery are common features in Nirala's work.

(b) इस अवतरण में किसके सौंदर्य का वर्णन किया गया है ?

Solution :
इस अवतरण में प्रकृति और उसमें समाहित सौंदर्य का वर्णन किया गया है, जैसे नीला आकाश, खिलते फूल, और प्रकृति के अन्य सुंदर दृश्य । लेखक ने इन सभी का उपयोग सुंदरता को व्यक्त करने के लिए किया है । **Final Answer :**

इस अवतरण में प्रकृति के सौंदर्य का वर्णन किया गया है ।

Quick Tip

When analyzing such passages, focus on descriptive words that express beauty, natural elements, and sensory experiences.

(c) 'मृदु' तथा 'वपु' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

Solution :
- **मृदु** : यह शब्द कोमल, सौम्य और नर्म चीजों के लिए प्रयोग होता है । - **वपु** : यह शब्द शरीर या शारीरिक रूप के लिए उपयोग होता है, विशेष रूप से सुंदर शरीर के लिए । **Final Answer :**

मृदु : कोमल, वपु : शरीर ।

Quick Tip

To understand the meaning of words in literature, pay attention to the context and its association with physical descriptions or qualities.

(d) उधार के उपकार-स्वास्थ्य क्या-क्या वस्तुएँ मिलती हैं ?

Solution :
उधार में जीवन में साकारात्मक बदलाव के रूप में स्वास्थ, ताकत, और स्थिरता प्राप्त होती है, जो किसी न किसी रूप में जीवन की अच्छाई और हिम्मत को बनाये रखती है । **Final Answer :**

उधार से स्वास्थ्य, मानसिक शांति और जीवन की स्थिरता प्राप्त होती है ।

Quick Tip

In analyzing the meaning of concepts like "उधार", always focus on the positive outcomes derived from a situation, rather than just the material exchange.

Q5. Answer the following questions with a brief description of the author's life and works (maximum 80 words) :
(i) जैनेन्द्र कुमार

Solution :
जैनेन्द्र कुमार भारतीय साहित्य के महत्वपूर्ण लेखक रहे हैं । उन्होंने हिंदी साहित्य में उपन्यास, कहानी और निबंध के क्षेत्र में योगदान दिया है । उनकी रचनाओं में समाज की जटिलताओं और व्यक्तित्व के संघर्ष को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया है । उनका लेखन भारतीय जीवन और संस्कृति के प्रति गहरी समझ को दर्शाता है ।

Final Answer :

जैनेन्द्र कुमार हिंदी साहित्य के प्रमुख लेखक हैं जिन्होंने उपन्यास, कहानी और निबंध में योगदान दिया ।

Quick Tip

For such questions, focus on the key achievements, literary contributions, and major themes associated with the author.

(ii) पं. दीनदयाल उपाध्याय

Solution :
पं. दीनदयाल उपाध्याय एक प्रसिद्ध भारतीय राजनीतिक विचारक और समाज सुधारक थे । उन्होंने भारतीय समाज के उत्थान के लिए कई विचार प्रस्तुत किए, जिनमें 'एकात्म मानववाद' प्रमुख था । उनका योगदान भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन और समाजवादी विचारधारा के क्षेत्र में अत्यधिक महत्वपूर्ण था ।

Final Answer :

पं. दीनदयाल उपाध्याय एक महान भारतीय विचारक और समाज सुधारक थे ।

Quick Tip

For political figures, focus on their key ideas, contributions to national progress, and their influence on social reform.

(iii) हरिशंकर परसाई

Solution :
हरिशंकर परसाई हिंदी साहित्य के प्रमुख लेखक और व्यंग्यकार थे । उनकी लेखनी में समाजिक कुरीतियों और राजनीतिक स्थिति का तीखा आलोचनात्मक चित्रण मिलता है । वे व्यंग्य के मास्टर थे, और उनकी रचनाएँ न केवल हास्यपूर्ण होती थीं, बल्कि गंभीर संदेश भी देती थीं ।

Final Answer :

हरिशंकर परसाई हिंदी साहित्य के प्रमुख व्यंग्यकार और लेखक थे ।

Quick Tip

In literary analysis, for humorists or satirists, focus on how they use humor to critique society or politics.

Q5. Answer the following questions with a brief description of the poet's life and works (maximum 80 words) :
(i) जयशंकर प्रसाद

Solution :
जयशंकर प्रसाद हिंदी साहित्य के महान कवि और नाटककार थे । उनका योगदान हिन्दी कविता और

नाटक लेखन में अत्यधिक महत्वपूर्ण था । वे छायावादी युग के प्रमुख कवि थे । उनकी काव्यशैली में गंभीरता, चित्रात्मकता और आत्मनिर्भरता थी । उनके प्रमुख रचनाएँ 'कानन कुसुम', 'आंधी', और 'झरना' हैं ।

Final Answer :

जयशंकर प्रसाद छायावादी युग के प्रमुख कवि और नाटककार थे ।

Quick Tip

When writing about poets, focus on their contribution to the literary movement, their major works, and their unique style.

(ii) सुमित्रानंदन पंत

Solution :
सुमित्रानंदन पंत भारतीय साहित्य के प्रमुख कवि थे, जो छायावाद के एक और स्तंभ थे । उनकी कविता में प्रकृति, प्रेम और भारतीय संस्कृति के प्रति गहरी श्रद्धा का चित्रण मिलता है । उनकी प्रमुख काव्य रचनाएँ 'चिदंबरा', 'पल्लव' और 'रानी' हैं । पंत जी की कविता में रोमांटिकता और सौंदर्य का अद्वितीय मिश्रण है ।

Final Answer :

सुमित्रानंदन पंत छायावाद के महान कवि थे जिनकी रचनाओं में प्रकृति और प्रेम का प्रमुख स्थान है ।

Quick Tip

For romantic poets, emphasize their connection with nature, emotional depth, and cultural themes, as seen in their works.

(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

Solution :
रामधारी सिंह 'दिनकर' भारतीय कविता के महान कवि, निबंधकार और राजनीतिक विचारक थे । उन्होंने राष्ट्रवादी और वीरता की भावना को अपनी कविताओं में व्यक्त किया । उनकी रचनाएँ 'उर्वशी', 'रश्मिरथी' और 'कुरुक्षेत्र' आज भी प्रासंगिक मानी जाती हैं । उनका लेखन भारतीय इतिहास और संस्कृति का ज्वलंत चित्रण करता है ।

Final Answer :

रामधारी सिंह 'दिनकर' वीरता और राष्ट्रवादी कवि थे जिनकी कविताएँ भारतीय संस्कृति का संवेदनशील चित्रण

Quick Tip

When discussing poets who focus on national themes, emphasize their contributions to cultural pride, history, and the emotions associated with the struggle for independence.

Q6. Answer the following questions in about 80 words :

(i) 'पनचलाईट' अथवा 'बहत्तर' कहानी के प्रमुख पात्र का चित्र-विवरण कीजिए ।

Solution :
'पनचलाईट' कहानी में मुख्य पात्र एक सामान्य व्यक्ति है, जो जीवन में एक बड़ा बदलाव महसूस करता है । वह अपनी परिस्थितियों से जूझते हुए अपने अस्तित्व के बारे में सवाल उठाता है । उसकी आंतरिक संघर्ष, इच्छाएँ, और भावनाएँ कहानी के मुख्य विषय होते हैं । उसकी जिजीविषा, सामाजिक उत्पीड़न से मुक्ति की आवश्यकता और अपने सपनों को पूरा करने की इच्छा ने उसे कहानी का केंद्रीय पात्र बना दिया है ।

Final Answer :

'पनचलाईट' में मुख्य पात्र वह व्यक्ति है जो जीवन में संघर्ष कर रहा है और अपनी जिजीविषा से खुद को साबित

Quick Tip

For character descriptions, focus on their personal struggles, desires, and how their journey reflects the central theme of the story.

OR

(i) 'कर्मनासा की हार' अथवा 'दूल का रिश्ता' कहानी की कथावस्तु पर प्रकाश डालीए ।

Solution :
'कर्मनासा की हार' कहानी में एक आम आदमी की सामाजिक असमानताओं और उसके संघर्षों को दर्शाया गया है । यह कहानी मानव अधिकारों की रक्षा की आवश्यकता, साथ ही उनकी सीमाओं को भी उजागर करती है । दूसरी ओर, 'दूल का रिश्ता' कहानी में रिश्तों की उलझनों और भावनात्मक संघर्षों को प्रस्तुत किया गया है, जहाँ व्यक्ति अपने परिवार, समाज और खुद से जुड़ी समस्याओं से जूझता है । दोनों कहानियाँ व्यक्ति की आंतरिक और बाहरी दुनिया के बीच के संघर्ष को प्रकट करती हैं ।

Final Answer :

'कर्मनासा की हार' और 'दूल का रिश्ता' दोनों ही व्यक्ति के आंतरिक और बाहरी संघर्षों को प्रस्तुत करती हैं ।

Quick Tip

When analyzing plot structures, focus on the underlying message the author is conveying through the protagonist's struggles, relationships, and societal issues.

Q7. Answer the following questions based on the given passage :
(i) 'सरस्वती खंडकाव्य' के आधार पर 'द्रौपदी' का चित्र-चित्रण कीजिए ।

Solution :
'सरस्वती खंडकाव्य' में 'द्रौपदी' का चित्रण बहन और पत्नी के रूप में किया गया है, जो अपने जीवन के विभिन्न संघर्षों को सशक्त रूप से दर्शाती है । द्रौपदी का चरित्र उनकी साहसिकता, वीरता और सम्मान की प्रतीक है । वह महाभारत की सबसे महत्वपूर्ण नारी पात्रों में से एक हैं, जिन्होंने पांडवों के लिए लड़ाई की और अपने आत्मसम्मान के लिए युद्ध किया । इस काव्य में द्रौपदी की छवि बहन, पत्नी और मां के रूप में उभरती है, जो अपने परिवार के लिए प्राणों की आहुति देने को तैयार रहती है । वह एक योद्धा की तरह आत्मविश्वास से भरी होती हैं, और हर कठिनाई के बावजूद अपने विश्वासों पर अडिग रहती हैं ।

Final Answer :

द्रौपदी का चित्रण एक साहसी, वीर और अपने सम्मान के लिए संघर्ष करने वाली महिला के रूप में किया गया है

Quick Tip

When analyzing literary characters, focus on their strengths, moral decisions, and their development throughout the narrative.

OR

(i) 'सरस्वती खंडकाव्य' के अंतिम कर्म की घटना का विवरण कीजिए ।

Solution :
'सरस्वती खंडकाव्य' के अंतिम कर्म में, द्रौपदी के सम्मान की रक्षा हेतु पांडवों द्वारा किया गया संघर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण है । इसके अंत में द्रौपदी की प्रतिष्ठा और न्याय की रक्षा के लिए युद्ध में उनका योगदान अभूतपूर्व था । द्रौपदी का जीवन और उनकी यात्रा महाभारत के अंतिम चरण में न्याय और सत्य की विजय का प्रतीक बन जाता है । यहाँ यह दर्शाया गया है कि नारी का सम्मान और उसके अधिकारों की रक्षा के लिए, चाहे वह युद्ध हो या राजनीतिक संघर्ष, वह किसी भी सीमा तक जा सकती है ।

Final Answer :

'सरस्वती खंडकाव्य' के अंतिम कर्म में द्रौपदी के सम्मान की रक्षा के लिए पांडवों द्वारा किया गया संघर्ष महत्वपूर्ण

Quick Tip

In epic literature, focus on key moral and ethical decisions made by central characters and how they influence the storyline's resolution.

Q7. (ii) 'द्रौपदी' खंडकाव्य के आधार पर 'राजस्थ्री' की चारित्रिक विशेषताएँ विस्तार से लिखिए ।

Solution :
'द्रौपदी' खंडकाव्य में राजस्थ्री का चित्रण एक संघर्षशील और आत्मनिर्भर महिला के रूप में किया गया है । वह न केवल अपने समाज में एक प्रतिष्ठित स्थान रखती है, बल्कि उसके द्वारा किये गए संघर्ष और बलिदान ने उसे एक आदर्श महिला के रूप में प्रस्तुत किया है । उसकी साहसिकता, दयालुता, और उसके जीवन की संघर्षपूर्ण यात्रा ने उसे एक सशक्त व्यक्तित्व बना दिया है । उसका चरित्र नारी शक्ति और आत्मसम्मान का प्रतीक बनता है । राजस्थ्री की चारित्रिक विशेषताओं में सबसे प्रमुख हैं : 1. **साहस और आत्मनिर्भरता** : वह अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाती है और किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार रहती है । 2. **समाज में प्रतिष्ठा** : वह अपने समाज के लिए सम्मानजनक और आदर्श महिला के रूप में देखी जाती है । 3. **संघर्षशीलता** : उसने जीवन के हर कठिन मोड़ पर संघर्ष किया और अपने आत्मसम्मान को कभी भी कम नहीं होने दिया ।

Final Answer :

राजस्थ्री का चित्रण साहसी, आत्मनिर्भर, और संघर्षशील महिला के रूप में किया गया है ।

Quick Tip

When describing character traits, focus on their core strengths and how they overcome challenges within the context of the story.

OR

(ii) 'द्रौपदी' खंडकाव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

Solution :
'द्रौपदी' खंडकाव्य में द्रौपदी के व्यक्तित्व को अत्यंत मजबूत, स्वतंत्र, और संघर्षशील रूप में प्रस्तुत

किया गया है । उसे महाभारत की सबसे महान और सम्माननीय पात्रों में से एक माना जाता है । उसके द्वारा किए गए हर निर्णय, चाहे वह युद्ध में हो या अपने आत्मसम्मान के लिए हो, उसे एक दृढ़ इच्छाशक्ति और निर्भीकता का प्रतीक बनाते हैं । द्रौपदी का चरित्र न केवल नैतिक बल को दर्शाता है, बल्कि यह उसकी शक्ति और उसे दी गई भूमिका की वास्तविकता को भी उजागर करता है ।

Final Answer :

'द्रौपदी' खंडकाव्य में द्रौपदी का चित्रण एक संघर्षशील और मजबूत महिला के रूप में किया गया है ।

Quick Tip

In literary analysis, focus on how the character's actions align with the themes of strength, moral conflict, and transformation throughout the story.

Q7(iii). 'श्रवणकुमार' खंडकाव्य के आधार पर 'श्रवणकुमार' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

Solution :
'श्रवणकुमार' खंडकाव्य में श्रवणकुमार का चित्रण एक आदर्श पुत्र के रूप में किया गया है । वह अपने माता-पिता के प्रति पूरी तरह से समर्पित है और उनका सम्मान करता है । उसकी शारीरिक कष्टों को सहते हुए भी, वह अपने कर्तव्यों को निभाता है । वह न केवल अपनी माता-पिता की इच्छाओं का पालन करता है, बल्कि उनका सम्मान भी करता है । उसका चरित्र एक निष्ठावान और कर्तव्यपरायण व्यक्ति के रूप में चित्रित किया गया है । श्रवणकुमार की विशेषताएँ इस प्रकार हैं : 1. **कर्तव्यनिष्ठा** : वह अपने माता-पिता की सेवा में समर्पित है और उनके लिए हर कठिनाई को सहता है । 2. **समर्पण** : वह अपने कर्तव्यों के प्रति पूर्ण समर्पण दर्शाता है, भले ही वह शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट सहन कर रहा हो । 3. **साहस** : उसने अपनी माता-पिता की इच्छाओं के प्रति पूरी निष्ठा से कार्य किया, जो एक साहसिक और प्रेरणादायक उदाहरण है ।

Final Answer :

श्रवणकुमार का चित्रण कर्तव्यपरायण, समर्पित और साहसी व्यक्ति के रूप में किया गया है ।

Quick Tip

In character analysis, focus on how the character's actions reflect their core values and how they respond to challenges.

OR

Qiii. 'श्रवणकुमार' खंडकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए ।

Solution :
'श्रवणकुमार' खंडकाव्य में श्रवणकुमार की यात्रा और उसके द्वारा अपने माता-पिता की सेवा करने की प्रमुख घटनाएँ हैं । पहली घटना तब होती है जब वह अपनी माता-पिता को तीर्थ यात्रा पर ले जाने के लिए कंधे पर उठाता है । दूसरी घटना तब होती है जब श्रवणकुमार के कंधे पर एक बाण लगता है, और वह मृत्युपूर्व अपने माता-पिता को अपने कर्तव्यों का पालन करने की इच्छा जताता है । इन घटनाओं से उसके संघर्ष और समर्पण की झलक मिलती है । श्रवणकुमार के जीवन में ये घटनाएँ उसके चरित्र को उजागर करने वाली हैं, जो न केवल एक कर्तव्यपरायण पुत्र के रूप में, बल्कि एक साहसी और सशक्त व्यक्ति के रूप में भी दिखती हैं ।

Final Answer :

श्रवणकुमार की प्रमुख घटनाएँ उसके संघर्ष और कर्तव्यनिष्ठा को दर्शाती हैं ।

Quick Tip

When writing about events in a literary piece, focus on how they drive the character's development and reflect the themes of the story.

Q7(iv). 'मुक्ति' खंडकाव्य के प्रसिद्ध पात्र की चरित्रात्मक विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

Solution :
'मुक्ति' खंडकाव्य में प्रमुख पात्रों में मुक्ति का चित्रण एक संघर्षशील और साहसी महिला के रूप में किया गया है । मुक्ति की विशेषताएँ उसके कर्तव्यों, संघर्षों, और समाज के पारंपरिक बंधनों से मुक्ति पाने की उसकी इच्छा पर आधारित हैं । मुक्ति का चरित्र अपने आत्मसम्मान और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करता है ।
मुक्ति की प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं : 1. **साहस और आत्मनिर्भरता** : मुक्ति ने अपने जीवन के कठिन मोड़ों पर साहसिक निर्णय लिए और समाज की धारा से हटकर अपने कर्तव्यों का पालन किया । 2. **संघर्षशीलता** : मुक्ति ने अपनी स्वतंत्रता और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए समाज के रूढ़िवादी विचारों से संघर्ष किया । 3. **नारी शक्ति का प्रतीक** : मुक्ति का चरित्र नारी शक्ति का जीवंत उदाहरण है, जो अपनी स्थिति को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करती है ।

Final Answer :

मुक्ति का चित्रण एक साहसी, आत्मनिर्भर, और संघर्षशील महिला के रूप में किया गया है ।

Quick Tip

In character analysis, focus on the character's internal growth and the external forces that influence their decisions and actions.

OR

Q7(iv). 'मुक्ति' खंडकाव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

Solution :
'मुक्ति' खंडकाव्य में मुक्ति के चरित्र को संघर्ष, साहस, और नारी शक्ति का प्रतीक बनाकर प्रस्तुत किया गया है । यह खंडकाव्य न केवल एक आदर्श महिला के रूप में मुक्ति का चित्रण करता है, बल्कि यह एक सामाजिक दृष्टिकोण को भी उजागर करता है । मुक्ति का जीवन उसके अधिकारों की रक्षा, आत्मनिर्भरता, और स्वतंत्रता की ओर एक प्रेरणास्त्रोत यात्रा है ।

Final Answer :

'मुक्ति' खंडकाव्य में मुक्ति का चित्रण संघर्षशील और साहसी महिला के रूप में किया गया है ।

Quick Tip

When analyzing a literary work, consider how the main character's traits are reflective of the themes and issues of the time.

Q7(v). 'सत्य की जीत' खंडकाव्य की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए ।

Solution :
'सत्य की जीत' खंडकाव्य में सत्य के अंतर्निहित बल और उसकी सत्यता के प्रति विश्वास को प्रमुख रूप से चित्रित किया गया है । यह खंडकाव्य जीवन के संघर्षों में सत्य के पथ पर चलने की कठिनाई और उसके अंत में मिलने वाली विजय की कहानी है । इस काव्य में प्रमुख घटनाएँ सत्य के संघर्ष, झूठ और धोखे के खिलाफ उस सत्य के विजयी होने की घटनाएँ हैं ।
1. **सत्य का संघर्ष** : काव्य में सत्य को उसके मार्ग में आने वाली कठिनाइयों के बावजूद निरंतर संघर्ष करते हुए दिखाया गया है । 2. **झूठ का पर्दाफाश** : काव्य में झूठ और धोखे के माध्यम से सत्य के मार्ग को अवरुद्ध करने की घटनाएँ और उनके परिणामों का विवरण है । 3. **सत्य की विजय** : अंत में सत्य की विजय होती है, जब झूठ और धोखा हार जाते हैं और सत्य अपना स्थान प्राप्त करता है ।

Final Answer :

'सत्य की जीत' खंडकाव्य में सत्य के संघर्ष और उसकी विजय की घटनाओं का चित्रण किया गया है ।

Quick Tip

In literature, the theme of truth often reflects a moral journey, focusing on the triumph of right over wrong.

OR

Q7(v). 'सत्य की जीत' खंडकाव्य के आधार पर 'युधिष्ठिर' का चरित्रचित्रण कीजिए ।

Solution :
'सत्य की जीत' खंडकाव्य में युधिष्ठिर का चित्रण एक सत्यनिष्ठ और न्यायप्रिय राजा के रूप में किया गया है । वह न केवल धर्म का पालन करता है, बल्कि अपने परिवार और राज्य की भलाई के लिए हमेशा कर्तव्यनिष्ठ रहता है । युधिष्ठिर का चरित्र सत्य, न्याय, और त्याग का आदर्श प्रस्तुत करता है । वह हर परिस्थिति में सत्य बोलता है और उसे अपने जीवन का सर्वोत्तम मार्ग मानता है ।
युधिष्ठिर की प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं : 1. **धर्मनिष्ठता** : युधिष्ठिर ने हमेशा धर्म का पालन किया और सत्य के मार्ग पर चलते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वाह किया । 2. **न्यायप्रियता** : वह सभी के साथ निष्पक्ष और न्यायपूर्ण व्यवहार करता है, चाहे परिस्थिति कैसी भी हो । 3. **त्याग और कर्तव्यनिष्ठा** : युधिष्ठिर का जीवन त्याग और कर्तव्य के प्रति अडिग निष्ठा का प्रतीक है ।

Final Answer :

'सत्य की जीत' खंडकाव्य में युधिष्ठिर का चित्रण सत्यनिष्ठ, न्यायप्रिय और कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति के रूप में किया गय

Quick Tip

In literary character analysis, focus on how the character's actions align with the central themes of the work, such as truth, justice, or sacrifice.

Q7(vi). 'आलोककृत' खंडकाव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

Solution :
'आलोककृत' खंडकाव्य में मुख्य रूप से आधुनिक जीवन के विभिन्न पहलुओं और उन पर प्रभाव डालने वाली घटनाओं का चित्रण किया गया है । इसमें मनुष्य की मानसिक स्थितियों, सामाजिक संघर्षों, और व्यक्तिगत जीवन के उतार-चढ़ाव का चित्रण मिलता है । खंडकाव्य की विशेषताएँ उसकी गहरी सोच, जीवन के विभिन्न पहलुओं को उजागर करने वाली कविताएँ, और व्यक्तित्व के संघर्षों को व्यक्त करने वाली भावनाएँ हैं ।
आलोककृत की विशेषताएँ इस प्रकार हैं : 1. **समाज और व्यक्ति का संघर्ष** : यह खंडकाव्य समाज और व्यक्ति के बीच निरंतर संघर्ष और सामंजस्य का चित्रण करता है । 2. **मानसिक और भावनात्मक संघर्ष** : इसमें व्यक्तियों के मानसिक और भावनात्मक उतार-चढ़ाव और उनसे जुड़ी जटिलताओं का उल्लेख किया गया है । 3. **नैतिकता और मूल्य** : काव्य में नैतिकता और मूल्य की बहस और उनके व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन पर प्रभाव का भी विश्लेषण किया गया है ।

Final Answer :

'आलोककृत' खंडकाव्य में समाज और व्यक्ति के संघर्ष, मानसिक संघर्षों, और नैतिक मूल्यों की विशेषताएँ दी गई हैं

Quick Tip

In literary analysis, focus on how themes such as individual struggle, societal norms, and personal growth are developed throughout the narrative.

OR

Q7(vi). 'आलोककृत' खंडकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

Solution :
'आलोककृत' खंडकाव्य में नायक का चित्रण एक संघर्षशील और विचारशील व्यक्ति के रूप में किया गया है । वह अपने जीवन में विभिन्न मानसिक और भावनात्मक संघर्षों से जूझता है, परंतु उसका उद्देश्य हमेशा समाज के भले के लिए होता है । नायक का चरित्र न केवल आत्मनिर्भरता का प्रतीक है, बल्कि वह सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन में अपने कर्तव्यों को निभाने का प्रयास करता है ।
नायक की प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं : 1. **संघर्षशीलता** : नायक अपने जीवन के कठिनतम क्षणों में भी संघर्ष करता है और अपनी समस्याओं का समाधान खोजता है । 2. **विचारशीलता** : नायक जीवन के विभिन्न पहलुओं पर सोचने और विश्लेषण करने में विश्वास रखता है । 3. **नैतिकता** : वह अपने नैतिक सिद्धांतों से कभी नहीं भटकता और हमेशा सही का साथ देता है ।

Final Answer :

'आलोककृत' खंडकाव्य में नायक का चित्रण संघर्षशील, विचारशील और नैतिक व्यक्ति के रूप में किया गया है ।

Quick Tip

When analyzing a protagonist in literature, examine how their internal conflicts and actions align with the overarching themes of the work.

Q8(i). निम्नलिखित संस्कृत गाथाओं में से किसी एक का संस्कृत-हिंदी में अनुवाद कीजिए ।

Solution :
संस्कृत गाथाओं का अनुवाद करते समय, हमें गाथा के भावार्थ को पूरी तरह से समझकर उसे सही संदर्भ में हिंदी में प्रस्तुत करना चाहिए । संस्कृत गाथाएँ अक्सर जीवन के नैतिक पहलुओं और आदर्शों को व्यक्त करती हैं, जिन्हें सरल और सुबोध हिंदी में व्यक्त करना आवश्यक है ।
इस गाथा का हिंदी अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है :
"जो ज्ञान से परिपूर्ण है और जो सत्य की ओर अग्रसर है, वह व्यक्ति जीवन में उन्नति प्राप्त करता है । उसका मनुष्यत्व और ज्ञान हर बाधा को पार कर सफलता प्राप्त करता है । हमें भी उसी मार्ग पर चलकर अपनी मन की शांति और स्थिरता को प्राप्त करना चाहिए ।"

Final Answer :

संस्कृत गाथा का अनुवाद सत्य और ज्ञान के महत्व को दर्शाते हुए जीवन के सर्वोत्तम मार्ग पर चलने की प्रेरणा दे

Quick Tip

When translating philosophical texts, ensure that the core message remains intact while making it accessible in the target language.

OR

Q8(i). 'सत्य, धर्म और ज्ञान' पर आधारित गाथा का अनुवाद कीजिए ।

Solution :
सत्य, धर्म और ज्ञान के सिद्धांतों को समझना और उन्हें जीवन में अपनाना बहुत महत्वपूर्ण है । गाथाओं में दिए गए संदेशों को हम अपनी दैनिक जीवन में उतार सकते हैं । यह गाथा जीवन के श्रेष्ठ मार्ग की ओर मार्गदर्शन करती है ।
इस गाथा का हिंदी अनुवाद इस प्रकार होगा :
"सत्य ही हमारे जीवन का मार्गदर्शक है । धर्म का पालन करना और ज्ञान प्राप्त करना हमें सत्य के मार्ग पर चलने में सहायता करता है । यह तीनों हमें जीवन में शांति और संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं ।"

Final Answer :

गाथा का अनुवाद सत्य, धर्म, और ज्ञान के सिद्धांतों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा देता है ।

Quick Tip

While translating, focus on the universality of themes like truth and justice that transcend linguistic boundaries.

Q8(ii). निम्नलिखित संस्कृत पंक्तियों में से किसी एक का संस्कृत-हिंदी में अनुवाद कीजिए ।

Solution :
संस्कृत गाथाओं का अनुवाद करते समय हमें गाथा के अर्थ को पूरी तरह से समझकर उसका सही संदर्भ में अनुवाद करना चाहिए । संस्कृत गाथाएँ अक्सर जीवन के सिद्धांतों, शिक्षा और आदर्शों पर आधारित होती हैं । यह गाथा भी ज्ञान, सहानुभूति और सही आचरण की महत्वपूर्ण शिक्षा देती है ।
इस गाथा का हिंदी अनुवाद इस प्रकार होगा :

"जो व्यक्ति सभी के साथ सहानुभूति से व्यवहार करता है, वह जीवन में शांति और सुख प्राप्त करता है । उसी व्यक्ति का जीवन सफल होता है, जो किसी के प्रति कोई बुरा भाव नहीं रखता और सभी को समान दृष्टि से देखता है ।"

Final Answer :

संस्कृत गाथा का अनुवाद सहानुभूति, सत्य और समानता के सिद्धांतों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा देता है ।

Quick Tip

When translating ancient texts, try to maintain the original essence while making sure the message is clear and relevant for modern readers.

OR

Q8(ii). 'सहानुभूति और ज्ञान' पर आधारित गाथा का अनुवाद कीजिए ।

Solution :
सहानुभूति और ज्ञान पर आधारित गाथाएँ जीवन में सामंजस्य और समझदारी को स्थापित करने में सहायक होती हैं । यह गाथाएँ जीवन के उच्चतम सिद्धांतों को व्यक्त करती हैं और हमें सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं ।
इस गाथा का हिंदी अनुवाद इस प्रकार होगा :
"सहानुभूति से भरा हुआ व्यक्ति ज्ञान के मार्ग पर चलता है और समाज में शांति और संतुलन स्थापित करता है । यही व्यक्ति अपने कार्यों से समाज को बेहतर दिशा प्रदान करता है ।"

Final Answer :

गाथा का अनुवाद सहानुभूति और ज्ञान के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है ।

Quick Tip

Focus on the central idea when translating moral teachings, as they hold universal relevance across cultures.

Q9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए :

(a) मैत्री यात्रा में किम् आवश्यकं ?

Solution :
उत्तर :

मैत्री यात्रा में आवश्यकं विश्वास, सौहार्दं, और समान्य दृष्टिकोणम् अस्ति । यात्रायाः उद्देश्यम् आत्मीयता, सहयोग तथा सद्भावना को प्रकट करना एवम् परस्पर सहयोगं सम्पूर्ण रूपेण प्रस्तुत करना ।

(b) काकः कृत्स्नं विवरणं कथं अकृतः ?

Solution :
उत्तर :

काकः एकं चालाकं और विवेकी पक्षी अस्ति । सः सदा समृद्धि प्राप्तये अनुकूलं क्रियाम् अवलम्बते । तस्य शरीरं और ज्ञानं कर्तव्यों के प्रति जागरूकता, विश्वास, तथा व्यवहारिकता द्वारा परिचितं अस्ति ।

(c) मुखं कालात् किम् गच्छति ?

Solution :
उत्तर :

मुखं कालात् विवेकपूर्णं रूपेण गच्छति । कालस्य परिवर्तनेन मुखं नष्टं न वहति, किंतु व्यक्तित्वे परिवर्तनं आवेदयति । मुखस्य निवारणं च स्थिरतां प्राप्ति को सशक्तं सिद्धांते ।

(d) पण्डितत्वं किम् अस्ति ?

Solution :
उत्तर :

पण्डितत्वं ज्ञानं, विवेकं, तथा विश्वज्ञान के प्रति गहरे समर्पण को संदर्भित करता है । पण्डितः निरंतर अध्ययन, आस्थायुक्तता और संसार की वास्तविकता का अनुशीलन करता है ।

Final Answer :

सभी प्रश्नों के उत्तर सरलतम संस्कृत शब्दों में दिए गए हैं ।

Quick Tip

In Sanskrit translation, focus on using the correct verb forms and contextually accurate words to retain the meaning of the original text.

Q10(i). 'वीर' रस और 'शांत' रस की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए ।

Solution :
'वीर' रस : वीर रस साहस, शक्ति, और संघर्ष का प्रतिनिधित्व करता है । यह रस उस समय का उपयोग किया जाता है जब व्यक्ति के भीतर संघर्ष और पराक्रम का भाव उत्पन्न होता है ।
उदाहरण : "शिवाजी ने दुश्मनों से लोहा लिया और अपनी वीरता से इतिहास रचा ।"
'शांत' रस : शांत रस का अर्थ शांति, संतोष, और आत्मिक शांति से होता है । यह रस उन परिस्थितियों में व्यक्त किया जाता है, जब मनुष्य के भीतर शांति, विनम्रता, और संतोष का भाव होता है ।
उदाहरण : "उसने मंदिर में जाकर शांति की प्रार्थना की ।"

Final Answer :

'वीर' रस और 'शांत' रस की परिभाषा और उदाहरण प्रस्तुत किए गए हैं ।

Quick Tip

When explaining emotions like 'वीर' and 'शांत', focus on the specific traits that evoke these feelings, such as bravery or calmness.

Q10(ii). 'उमा' अंककार रस और 'अनंन्व' अंकलिंग की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए ।

Solution :
'उमा' अंककार रस : यह रस उर्जा, उत्साह और जागरूकता का प्रतीक है । यह रस तब व्यक्त किया जाता है जब किसी में ऊर्जा का भरा होना या हर्ष और उत्साह का होना व्यक्त हो ।
उदाहरण : "उसने अपने लक्षय को प्राप्त करने के लिए हर कठिनाई को चुनौती दी ।"
'अनंन्व' अंकलिंग : यह रस किसी वस्तु की निरंतरता और शाश्वतता की भावना को व्यक्त करता है । जब कुछ स्थायी और सर्वकालिक होता है, तब यह रस व्यक्त किया जाता है ।
उदाहरण : "चाँद की चाँदनी रातें अनंत काल से यूँ ही चाँद को सजाती रहेंगी ।"

Final Answer :

'उमा' अंककार रस और 'अनंन्व' अंकलिंग की परिभाषा और उदाहरण प्रस्तुत किए गए हैं ।

Quick Tip

For Ras theory, understanding the emotional and situational context is key to identifying the correct Ras.

Q10(iii). 'चौपाई' छंद अंककार और 'उकेन्द्रवृत्त' छंद की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए ।

Solution :
'चौपाई' छंद : चौपाई छंद एक विशेष छंद प्रकार है जिसमें प्रत्येक चरण में आठ या दस मात्राएँ होती हैं । यह छंद विशेष रूप से भक्ति और वीर गीतों में प्रयुक्त होता है ।
उदाहरण : "राम का नाम जपें और भवसागर से पार हो जाएं ।"
'उकेन्द्रवृत्त' छंद : उकेन्द्रवृत्त छंद एक विशेष प्रकार का छंद है, जिसमें चार चरण होते हैं और प्रत्येक चरण में बारह मात्राएँ होती हैं ।
उदाहरण : "संग्राम की भूमि में वीरों का नाम अमर होता है ।"

Final Answer :

'चौपाई' और 'उकेन्द्रवृत्त' छंद की परिभाषा और उदाहरण प्रस्तुत किए गए हैं ।

Quick Tip

When explaining poetic meters, focus on syllable count and rhythm structure to distinguish different types of verses.

Q11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर विस्तार से लिखिए :

(i) राष्ट्र की एकता : वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता

Solution :
राष्ट्र की एकता हमारे समाज और राष्ट्र की समृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है । वर्तमान समय में समाज में विभिन्न जातियों, धर्मों, और भाषाओं के बीच भिन्नताएँ हैं, लेकिन हम सभी का उद्देश्य एक ही है—राष्ट्र की प्रगति । हमें एकता को मजबूत करने के लिए सभी समुदायों के बीच समझ और सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए । राष्ट्रीय एकता से देश में शांति, विकास, और सामाजिक सौहार्द्र को बढ़ावा मिलता है ।

(ii) वन-संरक्षण का महत्व और उपाय

Solution :
वन हमारे पर्यावरण का अहम हिस्सा हैं और जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं । वन न केवल जल-वायु को नियंत्रित करते हैं, बल्कि वे जैव विविधता को भी बनाए रखते हैं । वन संरक्षण के उपायों में वृक्षारोपण, वन्य जीवों का संरक्षण, और अवैध कटाई को रोकना शामिल हैं । सरकार और समाज को मिलकर वन क्षेत्र की सुरक्षा में योगदान देना चाहिए ।

(iii) विद्यार्थी और राजनीति

Solution :
विद्यार्थियों का राजनीति में योगदान राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण हो सकता है । छात्रों को राजनीति के

प्रति जागरूक और सक्रिय बनाना आवश्यक है ताकि वे अपने कर्तव्यों को समझ सकें और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा सकें । विद्यार्थियों को राजनीति में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए उन्हें विचारशील और निष्पक्ष शिक्षा मिलनी चाहिए ।

(iv) भारतीय समाज में नारी का स्थान

Solution :
भारतीय समाज में नारी को पारंपरिक रूप से गृहणी और परिवार की देखभाल करने वाली समझा गया है, लेकिन आज के समय में महिलाओं ने अपने अधिकारों की प्राप्ति के लिए कई कदम उठाए हैं । महिलाएं अब शिक्षा, राजनीति, और व्यवसाय में अपनी पहचान बना रही हैं । समाज में महिलाओं का स्थान बदल रहा है और उन्हें समान अधिकार मिल रहे हैं ।

(v) बेरोजगारी निवारण में कुटीर एवं लघु उद्योग की भूमिका

Solution :
कुटीर और लघु उद्योग देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं । ये उद्योग न केवल स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन करते हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकास के अवसर प्रदान करते हैं । लघु उद्योगों को प्रोत्साहन देने से बेरोजगारी की समस्या का समाधान संभव है ।

Final Answer :

सभी विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई है ।

Quick Tip

Focus on the current relevance of the topic and how the issues mentioned are being addressed in modern society.

Q12. (i) 'त्वर' का सम्प्राप्ति-प्रसंग है :

(A) लव + तान् ;
(B) लि + तान् ;
(C) लि + तं ;
(D) ल + ङ्का ;

Correct Answer : (A) लव + तान्

Solution : Step 1 : Understanding 'त्वर'.
'त्वर' एक संस्कृत शब्द है, जो किसी कार्य की जल्दी और तीव्रता को दर्शाता है । इसका उपयोग तात्कालिक गति और तत्परता को व्यक्त करने के लिए किया जाता है ।

Step 2 : Conclusion.
'त्वर' का सही प्रसंग 'लव + तान्' के रूप में है, जो इस शब्द की तीव्रता और तुरंतता को दर्शाता है ।

Final Answer :

The correct answer is (A) लव + तान्.

Quick Tip

When interpreting Sanskrit words, identify their root components and how they combine to form specific meanings and contexts.

(ii) 'आत्म' का सम्प्राप्ति-प्रसंग है :

(A) आत्मा + स्थानम् ;
(B) आत्मा + शास्त्र ;
(C) आत्मा + विद्या ;
(D) आत्मा + फल ;

Correct Answer : (A) आत्मा + स्थानम्

Solution : Step 1 : Understanding 'आत्म'.
'आत्म' शब्द आत्मा के प्रतीक के रूप में प्रसिद्ध है । यह आत्मज्ञान और आत्मनिर्भरता से जुड़ा हुआ होता है ।
Step 2 : Conclusion.
'आत्म' का सही प्रसंग 'आत्मा + स्थानम्' है, क्योंकि यह आत्मा को स्थायित्व और स्थान देने के रूप में प्रयोग होता है ।

Final Answer :

The correct answer is (A) आत्मा + स्थानम्.

Quick Tip

When combining Sanskrit words, look at the context in which they are used to understand their deeper meaning.

(iii) 'वीर' का सम्प्राप्ति-प्रसंग है :

(A) वीर + रस ;
(B) नी + रस ;
(C) वीर + स ;
(D) वीर + अस ;

Correct Answer : (A) वीर + रस

Solution : Step 1 : Understanding 'वीर'.
'वीर' शब्द का संबंध साहस और पराक्रम से होता है । यह रस वीरता और पराक्रम की भावना को व्यक्त करता है, जो किसी व्यक्ति की साहसिकता और संघर्षशीलता को दर्शाता है ।
Step 2 : Conclusion.
'वीर' का सम्प्राप्ति-प्रसंग 'वीर + रस' के रूप में है, क्योंकि यह शब्द वीरता और साहस का प्रतीक है और वीर रस के अर्थ को व्यक्त करता है ।

Final Answer :

The correct answer is (A) वीर + रस.

Quick Tip

When identifying the Ras (emotional flavor), consider the context in which it is used and the emotion it evokes in the reader.

Q10.b. (i) 'सकर्म' में समास है :

(A) अव्यभिचार
(B) तद्धितसच
(C) कर्मधारय
(D) द्वन्द्व

Correct Answer : (C) कर्मधारय

Solution : Step 1 : Understanding 'सकर्म'.
'सकर्म' शब्द में 'स' (सह) और 'कर्म' (कार्य) का मेल होता है । यह एक कर्मधारय समास है, जिसमें एक शब्द का दूसरा शब्द के साथ संबंध होता है ।
Step 2 : Conclusion.
'सकर्म' में कर्मधारय समास है, क्योंकि इसमें दो शब्दों के बीच एक विशेष संबंध को दर्शाया गया है ।

Final Answer :

The correct answer is (C) कर्मधारय.

Quick Tip

In Samas (compound formation), identifying whether it's a कर्मधारय or other types is key to understanding how the components relate.

(ii) 'जीतेंद्रिय' में समास है :

(A) तद्धितसच
(B) अव्यभिचार
(C) बहुव्रीहि
(D) दिङ्गु

Correct Answer : (C) बहुव्रीहि

Solution : Step 1 : Understanding 'जीतेंद्रिय'.
'जीतेंद्रिय' शब्द में 'जीत' और 'इन्द्रिय' का संयोजन है, जो एक बहुव्रीहि समास है । इसमें दो शब्द मिलकर किसी व्यक्ति या वस्तु का गुण या विशेषता व्यक्त करते हैं ।
Step 2 : Conclusion.
'जीतेंद्रिय' में बहुव्रीहि समास है, क्योंकि यह किसी व्यक्ति या वस्तु की विशेषता को दर्शाता है, जैसे कि 'जीत' (विजय) और 'इन्द्रिय' (संचालन) का मिलाजुला रूप ।

Final Answer :

The correct answer is (C) बहुव्रीहि.

Quick Tip

When identifying Samas, focus on the context in which the compound is used to determine if it's a Bahuvrihi or other types.

Q13a. (i) 'पुष्तत' में प्रत्यय है :

(A) ङ्का
(B) क
(C) तव्यं
(D) त्व

Correct Answer : (C) तव्यं

Solution : Step 1 : Understanding 'पुष्तत'.
'पुष्तत' में तव्यं प्रत्यय का प्रयोग हुआ है, जो किसी क्रिया के पूर्ण होने की अवस्था को दर्शाता है ।
Step 2 : Conclusion.
'पुष्तत' में तव्यं प्रत्यय है, जो 'पुष्ट' (विकसित, संपन्न) शब्द से संबंधित है ।

Final Answer :

The correct answer is (C) तव्यं.

Quick Tip

When identifying the suffix (प्रत्यय), focus on the root word and its context within the sentence.

(ii) 'धन्वान' शब्द में लगा प्रत्यय है :

(A) त्व
(B) अनिर
(C) मृत्तु
(D) वन्

Correct Answer : (D) वन्

Solution : Step 1 : Understanding 'धन्वान'.
'धन्वान' शब्द में 'वन्' प्रत्यय का प्रयोग हुआ है, जो किसी व्यक्ति या वस्तु की विशेषता या गुण को दर्शाता है ।
Step 2 : Conclusion.
'धन्वान' में 'वन्' प्रत्यय है, जो धनुषधारी (धनुष रखने वाला) को दर्शाता है ।

Final Answer :

The correct answer is (D) वन्.

Quick Tip

Focus on the root word and the context to understand which suffix fits to convey the correct meaning.

Q13b.. (i) 'महत्वसेनप्रशान' का उदाहरण है :

(A) विद्यालयं निकं जलाशयम् अस्ति ।
(B) त्वं मया साधं आपणं चल ।
(C) कृष्णस्य पुस्तकम् अस्ति ।
(D) म : पादे द्वन्द्व अस्ति ।

Correct Answer : (C) कृष्णस्य पुस्तकम् अस्ति ।

Solution : Step 1 : Understanding 'महत्वसेनप्रशान'.
'महत्वसेनप्रशान' का अर्थ है किसी महत्वपूर्ण कार्य का उदाहरण देना । यह शब्द किसी चीज की महत्ता को स्पष्ट करने के लिए प्रयोग में लाया जाता है ।
Step 2 : Conclusion.
'महत्वसेनप्रशान' का सही उदाहरण 'कृष्णस्य पुस्तकम् अस्ति' है, क्योंकि यह कोई महत्वपूर्ण और विशिष्ट वस्तु को संदर्भित करता है ।

Final Answer :

The correct answer is (C) कृष्णस्य पुस्तकम् अस्ति ।

Quick Tip

In Sanskrit, focus on context to determine which example appropriately reflects the meaning of a word or phrase.

(ii) 'नवा : स्वच्छता' शब्द के अनुशार विभिन्नताएँ लगानी है :

(A) वितिया
(B) चतुर्थी
(C) त्रतीय
(D) छठी

Correct Answer : (C) त्रतीय

Solution : Step 1 : Understanding 'नवा : स्वच्छता'.
'नवा : स्वच्छता' का अर्थ है एक नई और स्वच्छ स्थिति की प्राप्ति, जिसमें हर किसी को अपनी भूमिका समझनी होती है । यह समर्पण और अनुशासन का प्रतीक है ।
Step 2 : Conclusion.
'नवा : स्वच्छता' के अनुरूप 'त्रतीय' का विकल्प सही है क्योंकि यह क्रम में तीसरे स्थान पर होने की अवधारणा को प्रस्तुत करता है ।

Final Answer :

The correct answer is (C) त्रतीय.

Quick Tip

Always focus on understanding the context and the meaning of the terms when choosing the correct options in Sanskrit grammar.

Q14. राज्य पत्राचार नियम के मुख्य प्रावधान को बस चालक के असंस्कृत व्यवहार का उल्लेख करते हुए एक शिकायती पत्र लिखिए ।

Solution :

To,
परिवहन विभाग,
शहर यातायात विभाग,
(स्थान नाम),
तिथि : (तिथि).

विषय : बस चालक के असंस्कृत व्यवहार के संबंध में शिकायत ।

मान्यवर,
मैं (तिथि) को बस मार्ग संख्या 25 पर यात्रा करते हुए बस चालक द्वारा किए गए असंस्कृत व्यवहार के बारे में आपकी जानकारी में लाना चाहता हूँ । बस चालक ने न केवल यात्रियों के साथ अशिष्ट भाषा का प्रयोग किया, बल्कि उसने यात्रियों के प्रति असम्मानजनक और अपमानजनक शब्दों का भी इस्तेमाल किया, जिससे यात्रा के दौरान माहौल अत्यंत असुविधाजनक हो गया ।

राज्य परिवहन कोड के अनुसार, इस प्रकार का व्यवहार बिल्कुल अस्वीकार्य है, और मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि आप इस मामले में शीघ्र कार्रवाई करें ताकि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो ।

मैं उम्मीद करता हूँ कि शीघ्र कार्यवाही की जाएगी ।
सादर,

(नाम)
(पता)
(फोन नंबर)

Final Answer :

शिकायत पत्र को उचित रूप से लिखा गया है ।

Quick Tip

शिकायत पत्र लिखते समय भाषा संयमित और स्पष्ट होनी चाहिए ताकि आपकी बात पूरी तरह से समझी जा सके ।